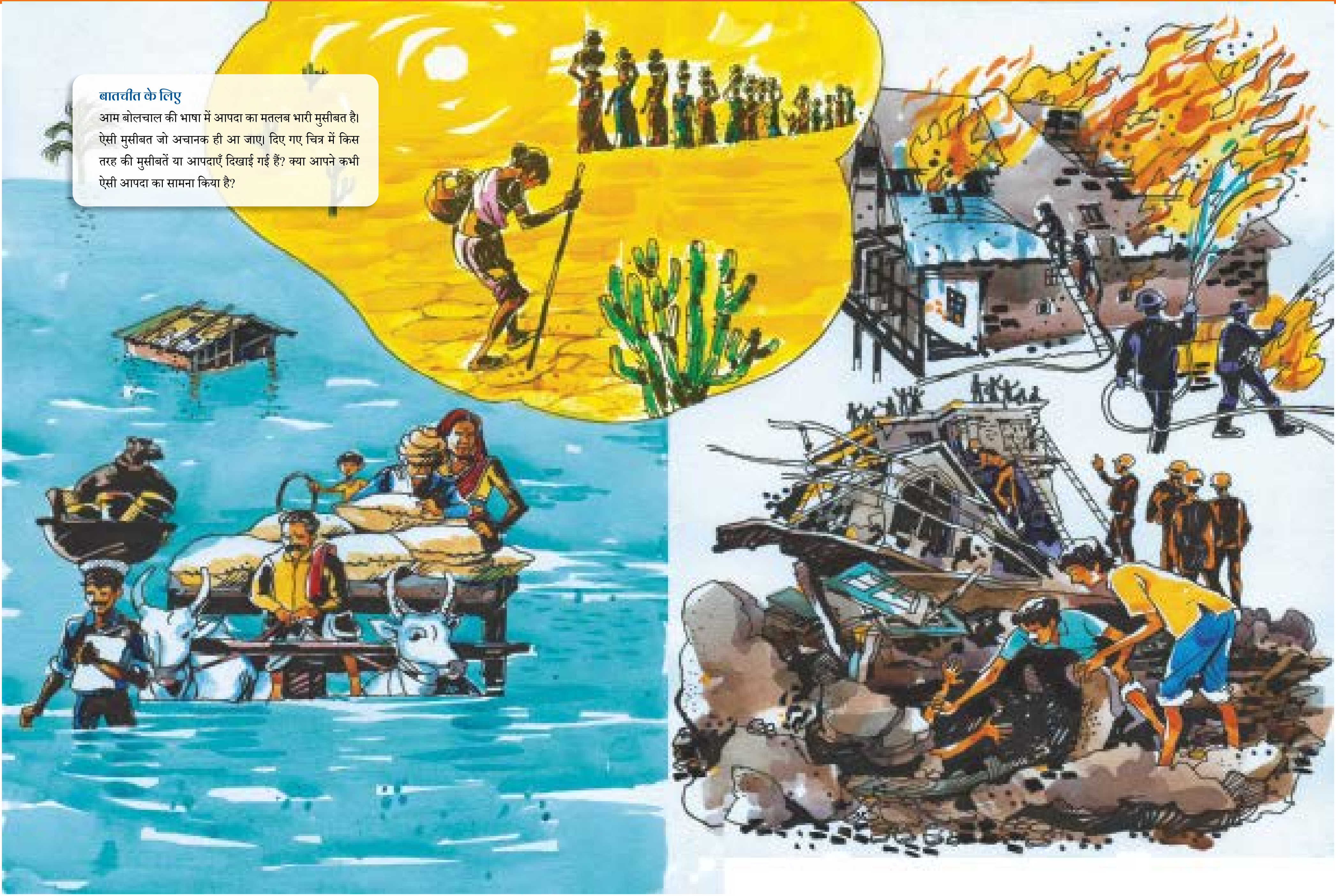

बातचीत के लिए

आम बोलचाल की भाषा में आपदा का मतलब भारी मुसीबत है। ऐसी मुसीबत जो अचानक ही आ जाए। दिए गए चित्र में किस तरह की मुसीबतें या आपदाएँ दिखाई गई हैं? क्या आपने कभी ऐसी आपदा का सामना किया है?

8 मुसीबतें कैसी-कैसी

हम सीखेंगे

• आपदा प्रबंधन के बारे जानना और समझना

देखिए और पढ़िए

आग

बाढ़

भूकंप

रेल दुर्घटना

ऐम्बुलेंस

दमकल

भगदड़

राहत शिविर

शिक्षक-निर्देश— चित्र के नीचे लिखे शब्दों को अँगुली रखकर पढ़वाएँ। सहभागियों से चित्र के नीचे दिए गए शब्दों को पढ़ने के लिए कहें। अलग-अलग आपदाओं के बारे में सहभागियों के साथ चर्चा करें। उनके अनुभव जानें।

मिलकर पढ़िए

जब धरती काँपी

मेरा नाम जस्मा है। मैं गुजरात के कच्छ इलाके में रहती हूँ। बात तब की है जब मैं ग्यारह साल की थी। अचानक ज़मीन तेज़ी से हिलने लगी। सब लोग घबरा गए। कुछ ही समय में हमारा पूरा गाँव मलबे का ढेर बन गया। हमारे कपड़े, बर्तन, खाना- सब कुछ मलबे में दब गया।

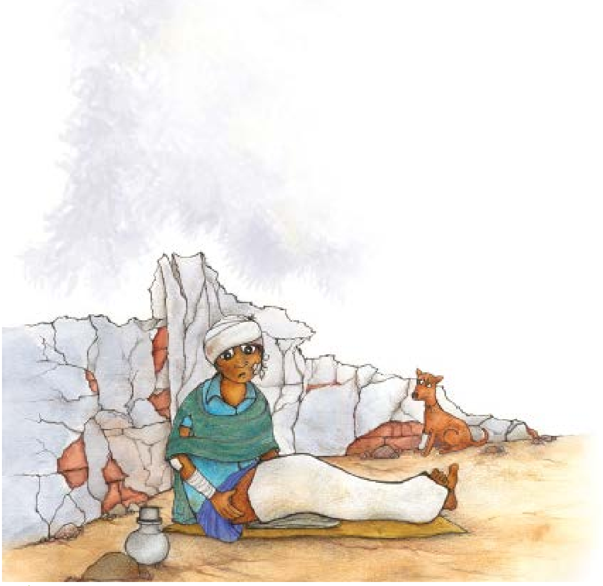

बहुत सारे लोगों को चोटें भी लगीं। डॉक्टरों की टीम ने गाँव वालों की मदद की। उनकी मदद से लोग ठीक होने लगे।

ठंड का महीना था। इतनी ठंड में घर के बाहर रहना कठिन हो रहा था। ठंड और डर के मारे नींद नहीं आती थी। यही डर रहता कि कहीं फिर से भूकंप आ गया तो ?

बहुत सारे लोगों ने हमारी मदद की। उन्होंने हमारे रहने के लिए तंबू लगवाए। बहुत सारे लोगों ने खाने-पीने का सामान भी दिया।

शहर से कुछ इंजीनियर आए। उन्होंने हमें बताया कि अगर हमारे घर खास डिज़ाइन से बनाए जाएँ तो भूकंप से नुकसान कम होगा।

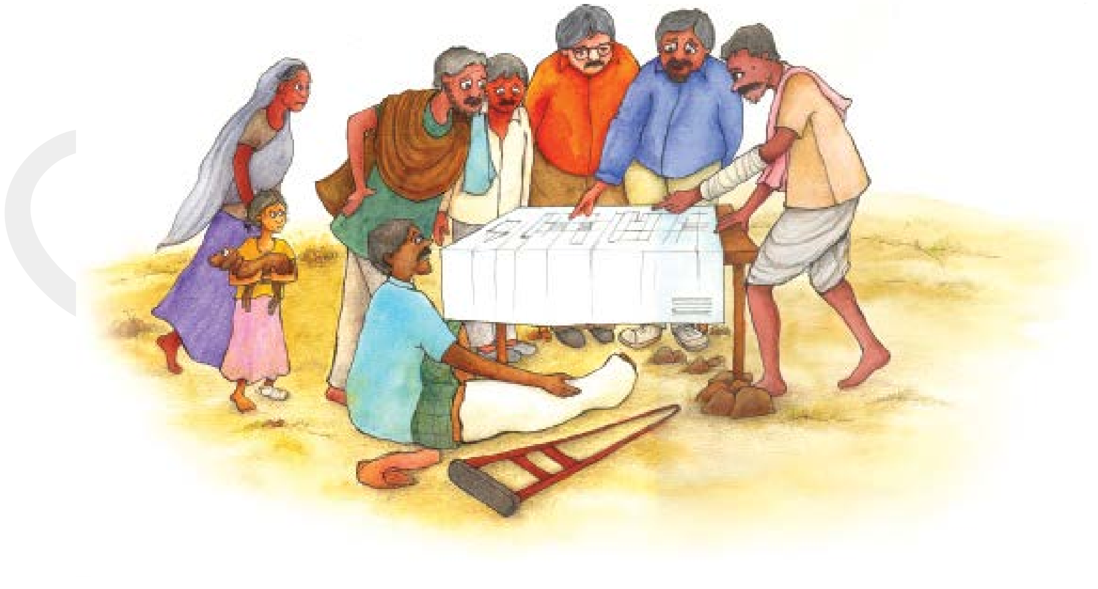

हम सबने खूब मेहनत की। हमने फिर से अपना घर बनाया। घर को काँच के टुकड़ों से सजाया। अब हमारा घर रात में हीरे-सा चमकता है।

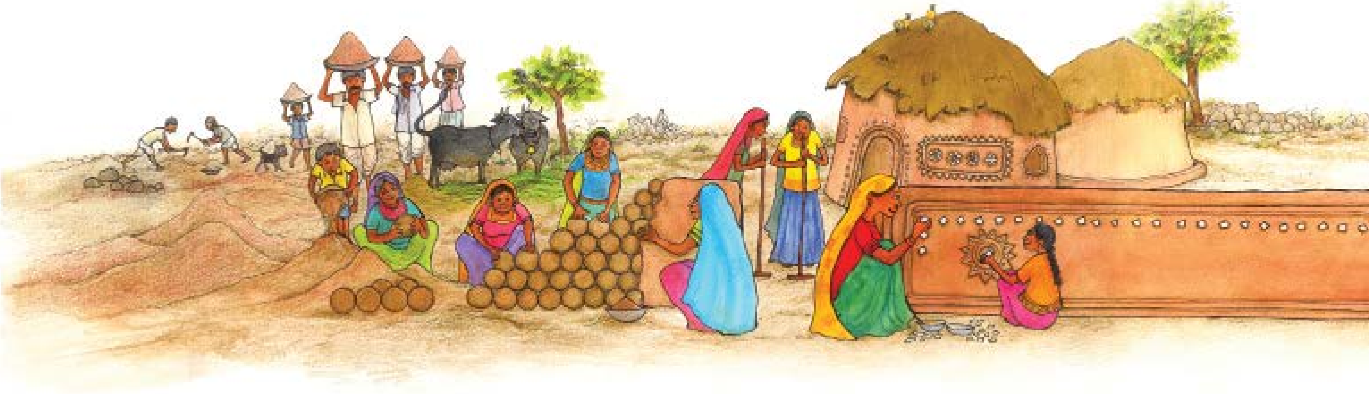

(स्रोत — आस-पास, कक्षा-5, एन.सी.ई.आर.टी.)

शिक्षक-निर्देश — इस पाठ को पढ़ाते समय सहभागियों को भुज में आए भूकंप के बारे में बताया जाना अच्छा होगा। भूकंप से होने वाले प्रभावों पर चर्चा करें। सहभागियों से पूछें कि उन्होंने कभी भूकंप का सामना किया है? क्या-क्या दिक्कतें आईं? जान-माल का कितना नुकसान हुआ? आदि।

सोचिए और बताइए

प्रश्न 1. आपदा के समय जब लोगों के घर ही नहीं रहे, तब लोगों को किस तरह की मदद/राहत की ज़रूरत पड़ी होगी?

प्रश्न 2. सोचिए, अगर आपके यहाँ भूकंप आ जाए तो क्या आपके घर को भी खतरा होगा? यदि हाँ, तो आप कहाँ रहेंगे?

प्रश्न 3. भूकंप के समय आप अपने पालतू जानवरों की सुरक्षा तथा देखभाल के लिए क्या करेंगे?

प्रश्न 4. क्या आपने अपने जीवन में सूखा, भूकंप, बाढ़ जैसी किसी प्राकृतिक आपदा का सामना किया है? यदि हाँ, तो अपने अनुभव साझा कीजिए।

प्रश्न 5. क्या आपको लगता है कि इनमें से कुछ आपदाओं के लिए मनुष्य सीधे रूप से ज़िम्मेदार है? ऐसी किसी एक आपदा के बारे में साथियों के साथ बातचीत कीजिए। बातचीत में आए मुख्य बिंदुओं को लिखिए।

भूकंप आने पर क्या-क्या सावधानियाँ बरतनी चाहिए?

1. अगर आप घर के अंदर हों तो

- ज़मीन पर झुक जाएँ। किसी मज़बूत मेज़ के नीचे बैठ जाएँ।
- मेज़ न हो तो अपने चेहरे और सिर को बाजुओं से ढक लें।
- शीशे, खिड़कियों, दरवाज़ों से दूर रहें।

2. अगर आप घर के बाहर हों तो

- बिल्डिंग, पेड़ों, स्ट्रीट लाइट, बिजली या टेलीफ़ोन की तारों से दूर रहें।

3. अगर किसी चलते वाहन में हों तो

- जितनी जल्दी हो सके सुरक्षा के साथ गाड़ी रोकें तथा गाड़ी में रुके रहें।

4. अगर मलबे के नीचे फँसे हों तो

- माचिस की तीली न जलाएँ।
- अपने मुँह को कपड़े से ढकें।
- किसी पाइप या दीवार को थपथपाएँ ताकि बचाने वाले आपको ढूँढ़ सकें।

भूकंप के समय किसी मज़बूत चीज़ के नीचे छिप जाने को क्यों कहा गया है?

आपदा संपर्क सूचना

किसी मुसीबत के समय आपको मदद की ज़रूरत पड़ सकती है। अपने इलाक़े में मौजूद पुलिस थाने, दमकल केंद्र और नज़दीकी अस्पताल का पता तथा फ़ोन नंबर पता करें। इस जानकारी को लिखें। इस जानकरी को याद भी रखें।

	पता	फ़ोन नंबर
दमकल केंद्र		
नज़दीकी अस्पताल		
ऐम्बुलेंस		
पुलिस थाना		

मेरे शब्द

शिक्षक-निर्देश—'मुसीबतें कैसी-कैसी' विषय को समेटते हुए बातचीत कीजिए। सहभागियों से पूछकर इस विषय से जुड़े 3–4 शब्द लिखिए। ये शब्द उनकी अपनी भाषा के भी हो सकते हैं, जैसे– भूकंप के लिए भू-डोल आदि। सहभागियों ने जिन आपदाओं को झेला है उस पर उनसे चर्चा करें और उनके अनुभवों पर पोस्टर/चित्र बनवाएँ।

CNCL NCERT